JK

Roll No. _____

Question Booklet Number

O.M.R. Serial No. : | | | | | | | |

M.A. IV Semester (NEP) Examination, 2025-26

SANSKRIT

वैदिक व्याख्यान पद्धतियाँ एवं इतिहास (वेद वर्ग)

(Elective)

Question Booklet Series
B

Paper Code							
A	0	2	1	0	0	8	T

Time : 1 : 30 Hours] **[Maximum Marks : 75**

Instructions to the Examinee :

1. Do not open the booklet unless you are asked to do so.
2. The booklet contains 100 questions. Examinee is required to answer 75 questions in the OMR Answer-Sheet provided and not in the question booklet. **All** questions carry equal marks.
3. Examine the Booklet and the OMR Answer-Sheet very carefully before you proceed. Faulty question booklet due to missing or duplicate pages/questions or having any other discrepancy should be got immediately replaced.
4. Four alternative answers are mentioned for each question as – A, B, C & D in the booklet. The candidate has to choose the correct answer and mark the same in the OMR Answer-Sheet as per the direction :

(Remaining instructions on the last page)

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :

1. प्रश्न-पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक आपसे कहा न जाए।
2. प्रश्न-पुस्तिका में 100 प्रश्न हैं। परीक्षार्थी को 75 प्रश्नों को केवल दी गई OMR आन्सर-शीट पर ही हल करना है, प्रश्न-पुस्तिका पर नहीं। **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं।
3. प्रश्नों के उत्तर अंकित करने से पूर्व प्रश्न-पुस्तिका तथा OMR आन्सर-शीट को सावधानीपूर्वक देख लें। दोषपूर्ण प्रश्न-पुस्तिका जिसमें कुछ भाग छपने से छूट गये हों या प्रश्न एक से अधिक बार छप गए हों या उसमें किसी अन्य प्रकार की कमी हो, तो उसे तुरन्त बदल लें।
4. प्रश्न-पुस्तिका में प्रत्येक प्रश्न के चार सम्भावित उत्तर- A, B, C तथा D हैं। परीक्षार्थी को उन चारों विकल्पों में से सही उत्तर छाँटना है। उत्तर को OMR उत्तर-पत्रक में सम्बन्धित प्रश्न संख्या में निम्न प्रकार भरना है :

(शेष निर्देश अन्तिम पृष्ठ पर)

Rough Work

रफ कार्य

1. स्वामी दयानन्द की वेद व्याख्या पद्धति क्या है?

(A) वेदों की तर्कसङ्गत एवं एकेश्वरवादी व्याख्या पद्धति

(B) बहुत्ववाद की स्थापना

(C) वनस्पतितत्त्वों की व्याख्या

(D) कर्मकाण्ड का निरुपण

2. स्वामी दयानन्द सरस्वती कौन थे?

(A) ब्रह्मसमाज के स्थापक

(B) सतीप्रथा के विरोध

(C) आर्य समाज के संस्थापक एवं वेद व्याख्याकार

(D) बालविवाह के प्रतिष्ठापक

3. दयानन्द जी का वेदों के प्रति क्या दृष्टिकोण था?

(A) वेद मात्र यज्ञव्याख्या हैं।

(B) वेद ईश्वर प्रदत्त एवं सर्वज्ञान का स्रोत हैं।

(C) वेद में देवबहुत्व की स्थापना है।

(D) वेद कालविशेष में उपादेय हैं।

4. दयानन्द व्याख्या में ईश्वर का स्वरुप कैसा है?

(A) अनेक

(B) निराकार, सर्वव्यापक तथा एक

(C) सत्ताद्वय

(D) विश्वरुप

5. स्वामी दयानन्दकृत ग्रन्थ है-

(A) सत्यार्थ प्रकाश

(B) मन्त्रमञ्जरी

(C) वेदपारिजात

(D) वेदसमुल्लास

6. स्वामी दयानन्द मूर्ति-पूजा के बारे में क्या मानते थे ?

(A) स्वीकार्य

(B) विशेष परिस्थिति में स्वीकार्य

(C) व्यक्ति विशेष के लिए अनिवार्य

(D) विरोध

7. स्वामी दयानन्द का शिक्षा के प्रति क्या दृष्टिकोण था?

(A) अव्यावहारिक

(B) व्यक्तिकेन्द्रित

(C) राष्ट्रविषयिणी

(D) वेदाधारित एवं वैज्ञानिक शिक्षा

8. स्वामी दयानन्द ने किस संस्था की स्थापना की?

(A) लोकसमाज

(B) जैनसमाज

(C) ब्रह्मसमाज

(D) आर्य समाज

9. अरविन्द जी ने वेदों पर कौन-सा ग्रन्थ लिखा?

(A) Hymns of the Vedas

(B) Divine Light

(C) The Secret of the Veda

(D) Vedas: Ultimate Knowledge

10. अरविन्द की वेद व्याख्या पद्धति क्या है?

(A) व्याकरण की दृष्टि

(B) वैज्ञानिक अर्थ

(C) वेदों की आध्यात्मिक एवं प्रतीकात्मक व्याख्या पद्धति

(D) विश्लेषणात्मक अर्थ

11. अरविन्द का वेदों के प्रति दृष्टिकोण था?

(A) वेद आलौकिक ज्ञान है।

(B) व्यक्तित्व-विकास करने वाले

(C) वेद गूढ़ आध्यात्मिक ज्ञान के स्रोत हैं।

(D) ज्ञान का भण्डार

12. अरविन्द व्याख्या में 'ऋषि' क्या अर्थ है?

(A) एक मनुष्य

(B) दिव्य सत्य का अनुभव करने वाले

(C) मन्त्र को खोजने वाला

(D) मन्त्र का दर्शन करने वाला

13. अरविन्द व्याख्या पद्धति की प्रमुख विशेषता क्या है?

(A) शास्त्र का विश्लेषण

(B) प्रतीकात्मक एवं आध्यात्मिक दृष्किोण

(C) वस्तुपरक

(D) व्यक्तिकेन्द्रित

14. सातवलेकर वेद व्याख्या पद्धति क्या है?

(A) जटिल तथा क्लिष्ट

(B) वेदों की सरल, व्यवहारिक एवं राष्ट्रवादी दृष्टि से व्याख्या

(C) गूढ़ पदावली से युक्त

(D) उद्धरणों का अधिक प्रयोग

15. सातवलेकर जी का सम्बन्ध किस कार्य से विशेष रुप से था?

(A) वेदार्थबोध

(B) वेद प्रचार एवं प्रकाशन

(C) ऋषिबोध

(D) वेदज्ञान

16. सातवलेकर व्याख्या में अंधविश्वास का क्या स्थान है?

(A) स्वीकार्य

(B) अस्वीकार्य

(C) उपादेय

(D) मार्गदर्शक

17. सातवलेकर व्याख्या में धर्म का स्वरुप कैसा होता है?

(A) यज्ञपरक

(B) व्यावहारिक एवं लोकहितकारी

(C) व्यक्तिपरक

(D) राष्ट्रपरक

18. सातवलेकर व्याख्या पद्धति किस पर बल देती है?

(A) वर्तमान जीवन पर

(B) राष्ट्रनिर्माण एवं नैतिक जीवन

(C) सुखद भविष्य

(D) भूतकाल से शिक्षा

19. सातवलेकर कौन थै?

(A) मन्त्रवेत्ता

(B) प्रसिद्ध वेद प्रचारक एवं व्याख्याकार

(C) यज्ञवेत्ता

(D) वेदज्ञ

20. सुबोधभाष्य नाम से किस भाष्यकार के भाष्य सुप्रसिद्ध हैं?

(A) स्वामी दयानन्द

(B) सायण

(C) श्री अरविन्द

(D) सातवलेकर

21. दाण्डेकर का मुख्य कार्यक्षेत्र क्या था?

(A) वेदों का प्रचार

(B) मन्त्रबोध

(C) तात्विक चिन्तन

(D) वैदिक अध्ययन एवं शोध

22. दाण्डेकर का वेदों के प्रति क्या दृष्टिकोण था?

(A) वेद ज्ञाननिधि हैं।

(B) वेद प्रमुख शास्त्र हैं।

(C) वेद सर्वविद्यानिधान हैं।

(D) वेद प्राचीन भारतीय इतिहास और संस्कृति के स्रोत हैं।

23. मधुसूदन ओझा वेद व्याख्या पद्धति क्या है?

(A) विश्लेषणात्मक पद्धति

(B) गवेषणात्मक पद्धति

(C) तर्कपद्धति

(D) वेदों की वैज्ञानिक एवं ब्रह्माण्डीय व्याख्या पद्धति।

24. ओझा व्याख्या में 'अग्नि' का क्या अर्थ है।

(A) ज्वलनशील तत्त्व

(B) तेजस्

(C) ओज

(D) ऊर्जा या ब्रह्माण्डीय शक्ति

25. ओझा जी का मुख्य कार्यक्षेत्र क्या था?

(A) वेदार्थ बोध

(B) मन्त्रबोध

(C) तात्विक चिन्तन

(D) वैदिक विज्ञान एवं शोध

26. ओझा-व्याख्या का मुख्य उद्देश्य क्या है?

(A) तत्त्वबोध

(B) मन्त्रबोध

(C) विषयबोध

(D) वेदों के वैज्ञानिक रहस्यों को उजागर करना

27. ओझा-व्याख्या में प्रकृति का क्या-महत्व है?

(A) वर्तमान का विषय

(B) सर्ववेत्ता

(C) देवता

(D) ब्रह्माण्डीय व्यवस्था का आधार

28. ओझा-व्याख्या में 'इन्द्र' का क्या प्रतीक है?

(A) पर्जन्य

(B) वर्षा

(C) अन्न

(D) शक्ति एवं प्रकृति का नियामक तत्त्व

29. कपाली शास्त्री की वेद-व्याख्या में देवताओं को कैसे माना गया है?

(A) मन्त्र का मुख्य विषय

(B) मन्त्रद्योतक

(C) मन्त्रबोधक

(D) चेतना की आन्तरिक शक्तियों के रुप में।

30. टी.वी. कपाली शास्त्री कौन थे?

(A) सूत्रकार

(B) निरुक्तकार

(C) प्रसिद्ध वेद व्याख्याकार एवं दार्शनिक

(D) भाषावैज्ञानिक

31. कपाली शास्त्री पर किसका प्रभाव था?

(A) श्री अरविन्द का प्रभाव

(B) स्वामी दयानन्द का प्रभाव

(C) सायण का प्रभाव

(D) महीधर का प्रभाव

32. मैक्समूलर कौन थे?

(A) प्रसिद्ध जापानी विद्वान्

(B) प्रसिद्ध जर्मन विद्वान्

(C) प्रसिद्ध चाईनीज़ विद्वान्

(D) प्रसिद्ध अमेरिकी विद्वान्

33. मैक्समूलर ने वेदों पर क्या कार्य किया?

(A) भाष्य

(B) नूतन ग्रन्थों की रचना

(C) व्याख्यायें

(D) संपादन एवं अनुवाद

34. ग्रन्थवाची ब्राह्मण पद किस लिङ्ग में होता है?

(A) उभयलिङ्गी

(B) पुल्लिङ्ग

(C) स्त्रीलिङ्ग

(D) नपुंसकलिंग

35. यास्क विरचित ग्रन्थ का क्या नाम है?

(A) छन्दःसूत्र

(B) कल्पविज्ञानम्

(C) ज्योतिषशास्त्र

(D) निरुक्त

36. वेद भाष्य के क्रम में ''देवता'' का क्या अर्थ है?

(A) मन्त्र का छन्द

(B) मन्त्र का अर्थ

(C) मन्त्र का प्रतीक

(D) मन्त्र का प्रतिपाद्य विषय

37. वेद व्याख्या में व्याकरण का क्या महत्त्व है?

(A) अर्थ निर्धारण हेतु

(B) लक्षणार्थ हेतु

(C) शाब्दिक अर्थ निर्धारण हेतु

(D) व्यङ्ग्यार्थ हेतु

38. निघण्टु क्या है?

(A) ऋषियों की वंशावली का सङ्ग्रह

(B) वेद-मन्त्रों का सङ्ग्रह

(C) वेद-वाक्यों का सङ्ग्रह

(D) वेदों के शब्दों का सङ्ग्रह

39. सायणाचार्य ने किस वेद पर भाष्य किया?

(A) ऋग्वेद

(B) सामवेद

(C) चारों वेदों पर

(D) यजुर्वेद

40. निरुक्त का मुख्य विषय क्या है?

(A) भाष्यबोध

(B) वेदार्थबोध

(C) वाक्यबोध

(D) विषयबोध

41. .....मननात् - किससे सम्बद्ध है?

(A) छन्द

(B) ऋषि

(C) मन्त्राः

(D) भाष्य

42. भारतीय भाष्य परम्परा के अग्रणी आचार्य कौन हैं?

(A) माधव

(B) महीधर

(C) हरिस्वामी

(D) सायणाचार्य

43. भारतीय भाष्य में 'निघण्टु' का उपयोग कैसे होता है?

(A) महत्त्व नहीं है

(B) विशेष कार्य नहीं

(C) सहायक साधन के रुप में

(D) विशेष परिस्थिति में महत्त्व

44. भाष्य-किस धातु से निष्पन्न है?

(A) भाष्

(B) भष्

(C) वाक्

(D) वद्

45. भारतीय भाष्य में ''ऋषि'' किसे कहते है?

(A) मन्त्र-रचियता

(B) सूत्रकार

(C) भाष्यकार

(D) मन्त्र के दृष्टा को

46. सायण भाष्य में यज्ञ का क्या स्थान है?

(A) विशेष परिस्थिति में महत्त्व

(B) कालविशेष में महत्त्वपूर्ण

(C) सर्वदा-सर्वथा अत्यन्त महत्त्वपूर्ण

(D) व्यक्ति के अनुसार महत्व

47. सायण की माता का नाम-

(A) सायणी

(B) शर्मिष्ठा

(C) सात्यकि

(D) श्रीमती

48. अलङ्कारसुधानिधि किस भाष्यकार विरचित ग्रन्थ है?

(A) स्वामी दयानन्द

(B) स्कन्दस्वामी

(C) वेंकटनाथ

(D) सायण

49. स्वामी दयानन्द विरचित ग्रन्थ है?

(A) ऋग्वेदभाष्यभूमिका

(B) ऋग्वेदादिभाष्यभूमिका

(C) तत्त्वार्थप्रकाश

(D) भामती

50. वैदिक बिब्लियोग्राफी-किस विद्वान् का ग्रन्थ है?

(A) एम. रानाडे

(B) विलियम जोन्स

(C) आर. एन. दाण्डेकर

(D) एस. जोसेफ

51. किस वैदिक संहिता पर समग्र दयानन्द भाष्य उपलब्ध होता है?

(A) यजुर्वेद

(B) अथर्ववेद

(C) ऋग्वेद

(D) सामवेद

52. किस भाष्यकार को मूल शंकर के नाम से भी जाना जाता है?

(A) सायण

(B) विवेकानन्द

(C) स्वामी दयानन्द

(D) हलायुध

53. वेदों के अनादि होने का सिद्धान्त किस विद्वान् द्वारा उपस्थापित किया गया है?

(A) स्वामी दयानन्द

(B) हरिस्वामी

(C) उव्वट

(D) महीधर

54. 'वेदों के पद रुढि नहीं है, अपितु यौगिक और योगरुढ है'-किस भाष्यकार का मत है?

(A) हरिस्वामी

(B) स्वामी दयानन्द

(C) हलायुध

(D) वेंकटमाधव

55. वाचकलुप्तोपमालङ्कार का अनेकशः प्रयोग किस भाष्यकार के भाष्य में उपलब्ध होता है?

(A) सायण

(B) महीधर

(C) भगवद्दत्त

(D) स्वामी दयानन्द

56. ऋग्वेद का शाकल्य से भिन्न पाठ किस भाष्यकार ने स्वीकार किया है?

(A) सायण

(B) स्कन्दस्वामी

(C) स्वामी दयानन्द

(D) उद्गीथ

57. किस भाष्यकार ने सर्वानुक्रमणी से भिन्न देवता माने हैं?

(A) स्वामी दयानन्द

(B) हरदत्त

(C) आनन्दतीर्थ

(D) नारायण

58. इन्द्र के परमात्मा, सूर्य, वायु, राजा और जीवात्मा--अर्थ किस भाष्यकार ने दिए हैं?

(A) स्कन्दस्वामी

(B) महीधर

(C) हरिस्वामी

(D) स्वामी दयानन्द

59. किस भाष्यकार ने अग्नि आदि पदों से भौतिक अर्थ स्वीकार किए हैं?

(A) उद्गीथ

(B) हलायुध

(C) स्वामी दयानन्द

(D) उव्वट

60. श्री अरविन्द का भाष्य किस भाषा में है?

(A) हिन्दी

(B) अंग्रेजी

(C) संस्कृत

(D) उडिया

61. यज्ञ का पूजा, स्तुति और सांसारिक पदार्थों से उपयोग लेना - किस भाष्यकार का अभिमत है?

(A) आनन्दतीर्थ

(B) सायण

(C) श्री अरविन्द

(D) स्वामी दयानन्द

62. वेदाध्ययन की भारतीय परम्परा को किस विद्वान् ने स्वीकार किया?

(A) मैक्समूलर

(B) ग्रीफिथ

(C) एच. एच. विल्सन

(D) रॉथ

63. ''प्रमाणैर्निबद्धं शतपथनिरुक्तादिभिरपि''- किस भाष्यकार के भाष्य से सम्बद्ध प्रतीत होती है?

(A) स्वामी दयानन्द

(B) स्कन्दस्वामी

(C) महीधर

(D) हरिस्वामी

64. सिद्धाञ्जन भाष्य किस भाष्यकार से सम्बन्धित है?

(A) श्री अरविन्द

(B) आनन्दतीर्थ

(C) उद्गीथ

(D) कपाली शास्त्री

65. एच. एच. विल्सन का जन्म कहाँ हुआ था?

(A) अमेरिका

(B) अफ्रीका

(C) जापान

(D) ब्रिटेन

66. एच. एच. विल्सन का पूर्ण नाम क्या है?

(A) हरमान हेरॉल्ड विल्सन

(B) हेकेल हायमन विल्सन

(C) हेनरी हेरॉल्ड विल्सन

(D) होरेस हायमन विल्सन

67. अधोलिखित में से किसने चिकित्साशास्त्र का अध्ययन किया है?

(A) बर्नर

(B) ग्रासमान

(C) मैक्समूलर

(D) एच. एच. विल्सन

68. ऋग्वेद संहिता ए कलेक्शन ऑफ हिन्दू हिम्स (Rigveda Samhita: A Collection of Hindu Hymns) किसकी अनूदित रचना है?

(A) मैक्समूलर

(B) ग्रीफिथ

(C) एच. एच. विल्सन

(D) रॉथ

69. ऋग्वेद संहिता ए कलेक्शन ऑफ हिन्दू हिम्स (Rigveda Samhita: A Collection of Hindu Hymns) ग्रन्थ कितने भागों में प्रकाशित हुआ है?

(A) चार

(B) तीन

(C) छह

(D) दो

70. मन्त्रों के अर्थ पारमार्थिक और व्यावहारिक दो प्रकार के होते हैं- यह किस भाष्यकार का मत है?

(A) स्कन्दस्वामी

(B) वेंकटनाथ

(C) स्वामी दयानन्द

(D) उद्गीथ

71. याज्ञिक दृष्टि से किस विद्वान् के भाष्य किए गये हैं?

(A) हरिस्वामी

(B) हलायुध

(C) सायण

(D) भगवद्दत्त

72. सत्यार्थप्रकाश किस भाष्यकार की रचना है?

(A) सायण

(B) कपाली शास्त्री

(C) स्वामी दयानन्द

(D) आर्यमुनि

73. निर्वचनात्मक पद्धति तथा धातुओं की अनेकार्थता किसके भाष्य में दृष्टिगत होती है?

(A) वेंकटमाधव

(B) हलायुध

(C) सायण

(D) स्वामी दयानन्द

74. किस भाष्यकार के पिता का नाम दामोदरपन्त था?

(A) हरिस्वामी

(B) उव्वट

(C) उद्गीथ

(D) श्रीपाद दामोदर सातवलेकर

75. किस भाष्यकार ने जीविका के लिए चित्रकला को अपनाया?

(A) स्कन्दस्वामी

(B) महेश्वर

(C) महीधर

(D) श्रीपाद दामोदर सातवलेकर

76. सुबोधभाष्य नाम से किस भाष्यकार के भाष्य हैं?

(A) सायण

(B) हरिस्वामी

(C) देवराजयज्वा

(D) श्रीपाद दामोदर सातवलेकर

77. मैक्समूलर किस देश से सम्बद्ध हैं?

(A) ब्रिटेन

(B) अमेरिका

(C) जर्मनी

(D) जापान

78. सन् 1881 में किस भाष्यकार का जन्म हुआ था?

(A) सायण

(B) वेंकटनाथ

(C) स्वामी दयानन्द

(D) उद्गीथ

79. संस्कृतवाक्यप्रबोध किस भाष्यकार की रचना है?

(A) श्रीअरविन्द

(B) सातवलेकर

(C) स्वामी दयानन्द

(D) हलायुध

80. किस भाष्यकार के द्वारा कर्मकाण्डपरक भाष्य किया गया है-

(A) स्वामी दयानन्द

(B) श्री अरविन्द

(C) सातवलेकर

(D) सायण

81. अधोलिखित में से कौन से भाष्यकार वेद को नित्य मानते हैं?

(A) सायण

(B) उव्वट

(C) स्वामी दयानन्द

(D) स्कन्दस्वामी

82. वेद ईश्वरप्रोक्त होने के कारण स्वतः प्रामाण्य हैं- यह किस भाष्यकार का अभिमत है?

(A) हरिस्वामी

(B) महीधर

(C) स्वामी दयानन्द

(D) दुर्ग

83. मन्त्रों के पारमार्थिक तथा व्यावहारिक अर्थ होते हैं- किसका मत है?

(A) श्री अरविन्द

(B) सायण

(C) स्वामी दयानन्द

(D) माधवभट्ट

84. किस भाष्यकार की माता का नाम श्रीमती है?

(A) स्वामी दयानन्द

(B) मायण

(C) सायण

(D) कम्पदेव

85. काण्व संहिता के भाष्यकार कौन हैं?

(A) हरिस्वामी

(B) महीधर

(C) सायण

(D) उव्वट

86. अलङ्कार सुधानिधि किस भाष्यकार की रचना है?

(A) स्वामी दयानन्द

(B) सातवलेकर

(C) हरिहर

(D) सायण

87. एच. एच. विल्सन ने किस भाष्यकार का अपने कार्य में अनुसरण किया है?

(A) श्री अरविन्द

(B) स्वामी दयानन्द

(C) स्वामी करपात्री

(D) सायण

88. किसके अनुसार सायण के भाष्य अन्धे की लकड़ी के समान उपादेय हैं?

(A) ग्रीफिथ

(B) रुडोल्फ रॉथ

(C) मेक्समूलर

(D) एम. विण्टरनित्स

89. सायण की ओर लौटो - यह किस भाष्यकार का मत है-

(A) स्वामी दयानन्द

(B) श्री अरविन्द

(C) स्वामी करपात्री

(D) कपालीशास्त्री

90. चारों वेदों पर भाष्य करने वाले भाष्यकार का नाम बताइये?

(A) स्वामी दयानन्द

(B) स्वामी रामतीर्थ

(C) श्री अरविन्द

(D) सायण

91. व्याकरण का वेद व्याख्या में क्या महत्व है?

(A) व्यङ्ग्यार्थ बोध

(B) तात्पर्यबोध

(C) विश्लेषण हेतु

(D) शब्दों के शुद्ध अर्थ ज्ञात करने में सहायक।

92. 'वेदानां भाष्यं' (वेदों पर भाष्य) करने वाले मध्यकालीन प्रसिद्ध विद्वान कौन हैं, जिन्होंने 'वेदार्थप्रकाश' नामक ग्रंथ की रचना की?

(A) सायण

(B) यास्क

(C) मैक्समूलर

(D) दयानन्द सरस्वती

93. वेद व्याख्या में छन्द का क्या महत्व है?

(A) वेद को सुनने के लिए

(B) मन्त्रों की संरचना और लय समझने में सहायक

(C) वेद-व्याख्या हेतु

(D) भाष्य के लिए

94. सायण व्याख्या पद्धति क्या है?

(A) व्यावहारिक

(B) व्याकरणाधृत

(C) दर्शनकेन्द्रित

(D) वेदों की कर्मकाण्ड प्रधान व्याख्या पद्धति

95. सायणाचार्य कौन थे?

(A) वेदविरोधी

(B) वेदश्रोता

(C) वेदप्रचारक

(D) प्रसिद्ध वेद भाष्यकार

96. सायण व्याख्या की मुख्य विशेषता क्या है?

(A) व्याकरणशास्त्र का प्राधान्य

(B) आध्यत्मिकता का आधिक्य

(C) लक्ष्यार्थ की विपुलता

(D) कर्मकाण्ड की प्रधानता

97. सायणाचार्य किस काल में हुए थे?

(A) 12वीं शताब्दी

(B) 13वीं शताब्दी

(C) 11वीं शताब्दी

(D) 14वीं शताब्दी

98. सायण व्याख्या में यज्ञ का क्या महत्त्व है?

(A) परिस्थिति विशेष में महत्त्वपूर्ण

(B) काल विशेष में महत्त्वपूर्ण

(C) प्रमुख आधार

(D) यज्ञ विशेष का महत्त्व

99. सायणाचार्य का संबंध किस राज्य से था?

(A) कुशीनगर

(B) वैशाली

(C) विजयनगर साम्राज्य

(D) नालन्दा

100. सायण व्याख्या पद्धति का मुख्य उद्देश्य क्या है?

(A) व्यवहार की शिक्षा

(B) आरोग्य का ज्ञान

(C) यज्ञार्थ एवं कर्मों की स्पष्ट व्याख्या

(D) मन्त्रों का उच्चारण

Rough Work

रफ कार्य

Example :

Question :

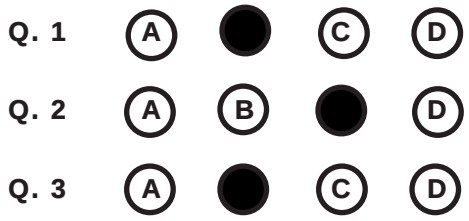

5. Each question carries equal marks. Marks will be awarded according to the number of correct answers you have.
6. All answers are to be given on OMR Answer Sheet only. Answers given anywhere other than the place specified in the answer sheet will not be considered valid.
7. Before writing anything on the OMR Answer Sheet, all the instructions given in it should be read carefully.
8. After the completion of the examination candidates should leave the examination hall only after providing their OMR Answer Sheet to the invigilator. Candidate can carry their Question Booklet.
9. There will be no negative marking.
10. Rough work, if any, should be done on the blank pages provided for the purpose in the booklet.
11. To bring and use of log-book, calculator, pager & cellular phone in examination hall is prohibited.
12. In case of any difference found in English and Hindi version of the question, the English version of the question will be held authentic.

Impt. On opening the question booklet, first check that all the pages of the question booklet are printed properly. If there is any discrepancy in the question booklet, then after showing it to the invigilator, get another question booklet of the same series.

उदाहरण :

प्रश्न :

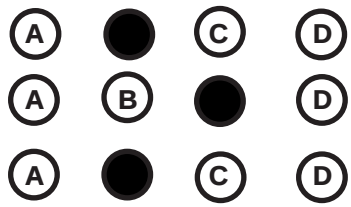

5. प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं। आपके जितने उत्तर सही होंगे, उन्हीं के अनुसार अंक प्रदान किये जायेंगे।
6. सभी उत्तर केवल ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक (OMR Answer Sheet) पर ही दिये जाने हैं। उत्तर-पत्रक में निर्धारित स्थान के अलावा अन्यत्र कहीं पर दिया गया उत्तर मान्य नहीं होगा।
7. ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक (OMR Answer Sheet) पर कुछ भी लिखने से पूर्व उसमें दिये गये सभी अनुदेशों को सावधानीपूर्वक पढ़ लिया जाये।
8. परीक्षा समाप्ति के उपरान्त परीक्षार्थी कक्ष निरीक्षक को अपनी OMR Answer Sheet उपलब्ध कराने के बाद ही परीक्षा कक्ष से प्रस्थान करें। परीक्षार्थी अपने साथ प्रश्न-पुस्तिका ले जा सकते हैं।
9. निगेटिव मार्किंग नहीं है।
10. कोई भी रफ कार्य, प्रश्न-पुस्तिका में, रफ-कार्य के लिए दिए खाली पेज पर ही किया जाना चाहिए।
11. परीक्षा कक्ष में लॉग-बुक, कैल्कुलेटर, पेजर तथा सेल्युलर फोन ले जाना तथा उसका उपयोग करना वर्जित है।
12. प्रश्न के हिन्दी एवं अंग्रेजी रूपान्तरण में भिन्नता होने की दशा में प्रश्न का अंग्रेजी रूपान्तरण ही मान्य होगा।

महत्वपूर्ण : प्रश्न-पुस्तिका खोलने पर प्रथमतः जाँच कर देख लें कि प्रश्न-पुस्तिका के सभी पृष्ठ भलीभाँति छपे हुए हैं। यदि प्रश्न-पुस्तिका में कोई कमी हो, तो कक्षनिरीक्षक को दिखाकर उसी सीरीज की दूसरी प्रश्न-पुस्तिका प्राप्त कर लें।